बैंक ऑफ महाराष्ट्र लाभ में 139% की वृद्धि के साथ सबसे आगे, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का लाभ तीसरी तिमाही में 65% बढ़ा

पीएसबी द्वारा घोषित तिमाही परिणामों के अनुसार, पुणे स्थित मुख्यालय वाले ऋणदाता ने दिसंबर 2022 की समाप्ति पर 139 प्रतिशत की वृद्धि सहित रु.775 करोड़ का लाभ दर्ज किया।

12 फरवरी, 2023, पीटीआई

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने दिसंबर 2022 को समाप्त तीसरी तिमाही के दौरान रु.29,175 करोड़ के लाभ के साथ 65 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की है। लाभ में प्रतिशत वृद्धि के मामले में बैंक ऑफ महाराष्ट्र शीर्ष पर रहा है।

पीएसबी द्वारा घोषित तिमाही परिणामों के अनुसार, दिसंबर 2022 की समाप्ति पर पुणे-मुख्यालय वाले ऋणदाता का लाभ 139 प्रतिशत की शानदार वृद्धि सहित रु.775 करोड़ हो गया।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र के बाद कोलकाता स्थित यूको बैंक का स्थान रहा, जिसने रु.653 करोड़ का लाभ दर्ज किया, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही में उसकी आय से 110 प्रतिशत अधिक था।

दो अन्य ऋणदाता, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक ने लाभ में 100 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज की।

वर्ष 2022 की अक्टूबर-दिसंबर अवधि हेतु मुंबई-स्थित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने 107 प्रतिशत की वृद्धि सहित रु.2,245 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया, जबकि चेन्नई-स्थित इंडियन बैंक ने 102 प्रतिशत की वृद्धि सहित रु.1,396 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया।

चालू वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही में सभी 12 पीएसबी ने, संचयी रूप से 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए, रु.29,175 करोड़ का लाभ अर्जित किया, जबकि एक वर्ष पूर्व की इसी अवधि में यह रु.17,729 करोड़ था।

चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह के लिए, पीएसबी ने विगत वर्ष की अवधि के रु.48,983 करोड़ की तुलना में 43 प्रतिशत की वृद्धि के साथ रु.70,166 करोड़ का संचयी लाभ अर्जित किया है। पीएसबी ने पहली तिमाही में लगभग रु.15,306 करोड़ का संचयी लाभ अर्जित किया था, जो सितंबर तिमाही में बढ़कर रु.25,685 करोड़ और आगे तीन माह दिसंबर तक रु.29,175 करोड़ तक हो गया।

प्रतिशत के संदर्भ में, पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि की तुलना में पहली तिमाही की वृद्धि 9 प्रतिशत थी, जो दूसरी तिमाही में 50 प्रतिशत और तीसरी तिमाही में बढ़कर 65 प्रतिशत तक हो गई।

पूंजी पर्याप्तता अनुपात के संबंध में, 31 दिसंबर, 2022 के अनुसार बैंक ऑफ महाराष्ट्र 17.53 प्रतिशत के साथ पीएसबी में सर्वोच्च रहा, इसके बाद केनरा बैंक 16.72 प्रतिशत और इंडियन बैंक 15.74 प्रतिशत पर रहा।

सकल एनपीए और निवल एनपीए के मामले में बैंक ऑफ महाराष्ट्र और एसबीआई न्यूनतम क्वार्टाइल में रहे। 31 दिसंबर, 2022 के अनुसार बैंक ऑफ महाराष्ट्र और एसबीआई द्वारा रिपोर्ट किए गए सकल एनपीए उनके कुल अग्रिमों का क्रमशः 2.94 प्रतिशत और 3.14 प्रतिशत रहे। इन उधारदाताओं का निवल एनपीए घटकर 0.47 प्रतिशत और 0.77 प्रतिशत हो गया।